

आईएसएल में खराब शुरुआत के बाद मैनोलो मार्केज ने छोड़ा मुंबई सिटी एफसी का साथ

मुंबई

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सत्र में खराब शुरुआत के बाद मुंबई सिटी एफसी और पूर्व भारतीय कोच मैनोलो मार्केज ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। मार्केज इससे पहले हैदराबाद एफसी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं।

मुंबई सिटी ने इस सत्र में अपने अभियान की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ हार के साथ की थी। इसके बाद घरेलू मैदान पर स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने उसे चौंका दिया। टीम अपने अन्य दो मुकाबलों में केरल ब्लास्टर्स और पंजाब एफसी के खिलाफ ड्रा खेलने में सफल रही।

क्लब के फुटबाल निदेशक सुजय शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस सत्र में आईएसएल के प्रत्येक क्लब की तरह हम भी भारतीय फुटबाल के एक नए दौर से गुजर रहे हैं। कई मायनों में यह भारतीय फुटबाल के शीर्ष स्तर के लिए एक नई शुरुआत है।

उन्होंने आगे कहा, हम मैनोलो को भारतीय फुटबाल में उनके अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए क्लब में लेकर आए थे। अब हमारा पूरा ध्यान पहली टीम को समर्थन देने और मौजूदा सत्र के अपने लक्ष्यों को हासिल करने पर है। टीम और कोचिंग व्यवस्था से जुड़ी आगे की जानकारी उचित समय पर क्लब के आधिकारिक माध्यमों से साझा की जाएगी।

मार्केज ने 2022 में हैदराबाद एफसी को पहली और अब तक की एकमात्र आईएसएल खिताबी जीत दिलाई थी। इसके बाद उन्होंने एफसी गोवा को 2025 और 2025-26 सत्र में लगातार दो सुपर कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मुंबई सिटी के साथ उनका कार्यकाल उम्मीद के मुताबिक शुरू नहीं हुआ।

चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में हार के बाद मार्केज ने टीम की तैयारी के लिए पर्याप्त प्री-सीजन मैच नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। मैच के बाद प्रसारकों से बातचीत में स्पेनिश कोच ने कहा था, हमारा प्री-सीजन मजाक था। क्लब एक भी मजबूत मुकाबले का आयोजन नहीं कर पाया। हमने जो भी मैच खेले, वे सभी एक तरह से झूठ थे। किसी मजबूत टीम के खिलाफ यह हमारा पहला मुकाबला था और दुर्भाग्य से हम हार गए।

मुंबई सिटी से अलग होने के साथ ही भारतीय फुटबाल में मार्केज का लगातार छह वर्षों से चला आ रहा कोचिंग कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। इस दौरान उन्होंने क्लब स्तर पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं और कुछ समय के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभाली। भारतीय टीम के साथ उनके संक्षिप्त कार्यकाल में ब्लू टाइगर्स ने एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मालदीव को हराया था। हालांकि, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में जीत नहीं मिलने के कारण अंततः उन्होंने आपसी सहमति से भारतीय टीम का पद छोड़ दिया था।

न्यूज ब्रीफ

युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारीं

डकार। भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में



रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टास और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शाट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रास-कोर्ट ड्राप शाट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रास-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंततः निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं।

जयपाल मालवीय ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत, भारत को मिला पहला ओलंपिक कोटा

दोहा। भारतीय निशानेबाज जयपाल मालवीय ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10



मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश को लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 का पहला कोटा दिलाया। उन्होंने लुसैल शूटिंग काम्प्लेक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 शाट के फाइनल में 242.2 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में ओलंपिक के तीन कोटा दांव पर थे। चीन के हू काई ने 243.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और पहला कोटा हासिल किया। चेक गणराज्य के जिंद्रिच डुबोवी 220.9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्होंने तीसरा ओलंपिक कोटा अपने नाम किया। जयपाल के रजत पदक के साथ भारत को दूसरा कोटा मिला। जयपाल ने फाइनल की शुरुआत से ही पदक की दौड़ में अपनी जगह बनाए रखी। उन्होंने पहली सीरीज में 50.5 और दूसरी सीरीज के बाद कुल 100 अंक हासिल किए। एलिमिनेशन दौर में भी उनका निशाना लगातार सटीक रहा। उन्होंने 10.8 और 10.7 जैसे शानदार शाट लगाए। अंतिम चरण में दबाव के बावजूद संयम बनाए रखते हुए उन्होंने डुबोवी को पीछे छोड़ा और रजत पदक पक्का किया। इससे पहले दिन के सत्र में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी रजत पदक जीतकर देश को दोहरी खुशी दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सायन्यम की तिकड़ी ने कुल 1738 अंक और 61 इनर-10 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल , कहीं 2027 एकदिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए

आकलैंड। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय



मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं।

प्रीमियर लीग में कोई मुकाबला आसान नहीं, एक चूक भी पड़ सकती है भारी : चेल्सी कोच शाबी अलोंसो

नई दिल्ली

चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में लीग की प्रतिस्पर्धा, टीम की रक्षात्मक कमजोरियों और कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन को लेकर अपने विचार साझा किए।

अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। हर मुकाबला एक नई परीक्षा होता है। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है। इस लीग में एक पल के लिए भी ध्यान नहीं हटा सकते, क्योंकि यहां की गुणवत्ता आपकी छोटी सी चूक की सजा देगी।

उन्होंने कहा कि इस चुनौती के कारण टीम को हर मुकाबले के लिए पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी करनी पड़ती है। कोचिंग स्टाफ को प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी का बारीकी से विश्लेषण करना होता है और खिलाड़ियों को मानसिक तथा शारीरिक रूप से तैयार रखना पड़ता है। कार्यक्रम व्यस्त जरूर है, लेकिन यही इस प्रतियोगिता की चुनौती भी है। चेल्सी के पास अच्छी गुणवत्ता और गहराई वाला दल है, जिसका पूरे सत्र में सही इस्तेमाल करना होगा।

रक्षात्मक प्रदर्शन में सुधार की जरूरत

टीम की रक्षात्मक कमजोरियों पर अलोंसो ने कहा कि अधिक गोल गंवाने के पीछे कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीम निश्चित रूप से सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और टीम लगातार विकसित हो रही है। हमें मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और कम गोल गंवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमने मैदान पर अपनी संरचना और गेंद के बिना खिलाड़ियों की पोजीशनिंग पर काम किया है।

उन्होंने कहा कि टीम ने कई गोल छोटी-छोटी गलतियों के कारण गंवाए हैं, न कि इसलिए कि विरोधी टीम ने उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह भेद दिया। यह सकारात्मक बात है, क्योंकि इन गलतियों को सुधारा जा सकता है। टीम को एक इकाई के रूप में अधिक संगठित होना होगा, व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अंतिम क्षेत्र में सही फैसले लेने होंगे।

अलोंसो ने कहा कि रक्षात्मक जिम्मेदारी केवल चार डिफेंडरों की नहीं होती। इसकी शुरुआत अग्रिम पंक्ति से होती है, जहां खिलाड़ियों को दबाव बनाने और पीछे लौटकर मदद करने की जरूरत होती है। हर मैच में गोल गंवाने से बचना शायद संभव न हो, लेकिन कम गोल गंवाना निश्चित रूप से संभव है। पूरी टीम के बेहतर तालमेल से क्लीन शीट हासिल करने में मदद मिलेगी।

आक्रमण में आजादी के साथ अनुशासन भी जरूरी

अलोंसो ने कहा कि आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए, लेकिन इसके साथ अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ आक्रमण की आजादी देने का मामला नहीं है। खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि टीम को किस समय क्या चाहिए। जब आक्रमण करने वाले खिलाड़ी अपने खेल का आनंद लेते हैं, तो टीम बेहतर प्रदर्शन करती है और जीत की संभावना भी बढ़ती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बिना किसी योजना के खेलने की छूट हो।

उन्होंने कोल पामर, मार्गन रोजर्स, जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ को टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। उनके मुताबिक कुछ खिलाड़ी टीम को स्थिरता देते हैं, जबकि कुछ खिलाड़ी अपने कौशल से मैच में अंतर पैदा करते हैं। टीम को इन दोनों पहलुओं के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

पामर के लिए केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की भूमिका उपयुक्त

कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन के बारे में अलोंसो ने कहा कि उनके लिए पामर की सबसे अच्छी भूमिका केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की है। उन्होंने कहा, जब कोल को अग्रिम पंक्ति और विरोधी टीम की रक्षापंक्ति के बीच गेंद मिलती है, तो वह आखिरी पास देने, डिफेंडरों को छकाने, गोल करने और सही समय पर दौड़ लगाने में सक्षम होते हैं। विरोधी टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता इसी क्षेत्र में नजर आती है।

अलोंसो ने कहा कि पामर को सही जगह पर गेंद पहुंचाना जरूरी है। मिडफील्डरों और डिफेंडरों को तेजी से उन क्षेत्रों में उन्हें गेंद देनी होगी, जहां वह अपने कौशल का इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने कहा कि पामर केवल गोल करने और मौके बनाने में ही नहीं, बल्कि गेंद के बिना भी मेहनत करते हैं। वह जगह बंद करने और खेल को जोड़ने में टीम की मदद करते हैं, जो संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।

रविवार को सुंदरलैंड से भिड़ेगी चेल्सी

चेल्सी की टीम रविवार, 8 नवंबर को प्रीमियर लीग में सुंदरलैंड का सामना करेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारित होगा।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तान न करें : रायुडू



मुम्बई

आलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे।

रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए।

उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।हालांकि, इन चर्चाओं और रायशुमारी के बीच हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेले हैं।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप



नई दिल्ली। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन आफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है।

लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नार्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे।

इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएक्गोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है।

टी20 ब्लास्ट के तुरंत बाद लिन लंका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो गए थे। हालांकि, गाल ग्लैडिएटर्स के लिए केवल एक मैच खेलने के बाद 29 जुलाई को पैर में अज्ञात



चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसके दो दिन बाद क्रिकेट नियामक ने उन्हें उनके नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम मिलने की जानकारी दी और अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। करीब तीन सप्ताह बाद लिन ने कोकीन सेवन की बात स्वीकार कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान नहीं हुई थी और इसका उनके क्रिकेट प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। लिन ने बताया कि उन्होंने 15 जुलाई 2026 की शाम से 16 जुलाई की सुबह तक कई घंटों के दौरान इस पदार्थ का सेवन किया था। इससे पहले उसी शाम नार्थम्पटनशायर की ग्लास्टरशायर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान डुआन जानसन की कम ऊंचाई वाली फुलटास गेंद पैर पर लगने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

क्रिकेट नियामक ने शुरुआत में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के डोपिंग रोधी नियमों के दो प्रावधानों के तहत लिन पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में एक आरोप हटा दिया गया, क्योंकि उनके मूत्र नमूने में कोकीन की मात्रा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों के तहत आरोप लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम पाई गई।

नियामक ने शुरुआत में तीन महीने के प्रतिबंध पर विचार किया था, लेकिन लिन द्वारा नशे के दुरुपयोग से निपटने के लिए उपचार कार्यक्रम पूरा करने की पुष्टि के बाद इसे घटाकर एक महीने कर दिया गया। उनका पुनर्वास कार्यक्रम 30 अगस्त को पूरा माना गया, जो उनके अस्थायी निलंबन की शुरुआत के एक महीने बाद की तारीख थी।

प्रतिबंध पूरा होने के बाद से लिन ने पेशेवर क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है। वह आगामी बिग बैश लीग सत्र के लिए किसी अनुबंध की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, आस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ जुड़ने पर सहमति जताई है।

आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के सलाहकार कोच बने माइक हसी

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक हसी इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार कोच के रूप में जुड़ेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हसी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज और दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी टीम के सलाहकार कोच की भूमिका निभाएंगे।

51 वर्षीय हसी को वर्ष 2028 में होने वाले दो बड़े आयोजनों- लास एंजिल्स ओलंपिक और आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में वह अभियान की रणनीति तैयार करने, विरोधी टीमों की जानकारी जुटाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने और प्रदर्शन से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देंगे।

हसी लगभग तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ इस घरेलू सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी आस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग सहयोग देंगे। वह पिछले कुछ वर्षों में भी आस्ट्रेलियाई टीम के साथ इसी तरह की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पर्थ में टीम के अभ्यास सत्र में भी वह शामिल हुए थे।

वर्ष 2016 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हसी ने कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव हासिल किया है। वह आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2022 में आस्ट्रेलिया में आयोजित टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में वह मैथ्यू माट के कोचिंग पैनल के सदस्य थे। इसके अलावा वह स्टीफन फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर



किंग्स के लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच रहे और इस वर्ष द हंड्रेड में वेल्श फायर के मुख्य कोच की भूमिका निभाई।

हसी ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम के साथ अधिक औपचारिक और महत्वपूर्ण भूमिका में जुड़ना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा।

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हसी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि वह पहले भी टीम के कोचिंग स्टाफ के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। उनका अनुभव और कौशल मौजूदा कोचों तथा खिलाड़ियों के लिए काफी उपयोगी होगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कई प्रारूपों, प्रतियोगिताओं और देशों में खिलाड़ी तथा कोच के रूप में हसी की विशेषज्ञता के साथ उनके व्यक्तिगत गुण भी टीम के लिए अहम हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय टीमों के महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने बताया कि टी20 सलाहकार के तौर पर हसी अभियान की रणनीति, विरोधी टीमों के विश्लेषण, खिलाड़ियों की तलाश और प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता देंगे।

हसी ने 2005 से 2013 के बीच आस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 302 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2007 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम और 2006-07 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 5-0 की जीत दर्ज करने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 79 टेस्ट मैचों में 51 से अधिक की औसत से रन बनाए। टी20 विश्व कप 2010 के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 24 गेंदों में नाबाद 60 रन की पारी आज भी यादगार मानी जाती है। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए मुकाबला जीत लिया था।

आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

- पहला एकदिवसीय मैच : 13 नवंबर, पर्थ स्टेडियम।
- दूसरा एकदिवसीय मैच : 15 नवंबर, एडिलेड ओवल।
- तीसरा एकदिवसीय मैच : 18 नवंबर, बेलेरिव ओवल, होबार्ट